वार्षिक प्रतिवेदन

2008 - 2009

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

(पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त परिषद्)

देहरादून, उत्तराखण्ड

संरक्षक :
श्री जगदीश किशवान, भा.व.से.
महानिदेशक
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्,
देहरादून

प्रकाशित :
मीडिया एवं प्रकाशन प्रभाग,
विस्तार निदेशालय,
डाकघर– न्यू फॉरेस्ट, देहरादून – 248006 (उत्तराखण्ड), भारत

संकलन एवं सम्पादन :
डॉ. रवीन्द्र कुमार, भा.व.से., उप महानिदेशक (विस्तार),भा.वा.अ.शि.प.
श्री सर्वेश सिंघल, भा.व.से., सहा. महानिदेशक (मीडिया एवं प्रकाशन), भा.वा.अ.शि.प.
श्री रमाकांत मिश्र, अनुसंधान अधिकारी, (मीडिया एवं प्रकाशन), भा.वा.अ.शि.प.
श्री कैलाश चंद गुप्ता, हिन्दी अधिकारी, शु.व.अ.सं.

प्रसंस्करण :
श्री डी. एस. रौथाण, फोरमैन (मुद्रण) (मीडिया एवं प्रकाशन), भा.वा.अ.शि.प.
श्री आर. सी. टमटा, कापी होल्डर, व.अ.सं.

अप्रैल 2009

मुद्रक : शिवा ऑफसेट प्रेस, देहरादून

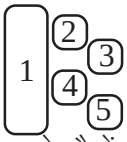

आवरण पृष्ठ : 1. धड़ियारघाट सोलन वन प्रभाग, हिमाचल प्रदेश में ऊतक संवर्धन द्वारा उत्पन्न बांस के पौधों का प्रदर्शन
2. *अधाटोडा जीलेनिका* 3. *पुनिका ग्रेनेटम* 4. *रोडोडेन्ड्रान लेपिडोटम* 5. *हिप्पोफे टिबीटाना*

पृष्ठ आवरण : चम्बा, हिमाचल प्रदेश स्थित कलाटॉप खाजियार वन्यजीव अभयारण्य का एक दृश्य

महानिदेशक एवं
कुलाधिपति व.अ.सं. विश्वविद्यालय

JAGDISH KISHWAN
Director General and
Chancellor, FRI University

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
(आइएसओ 9001:2000 प्रमाणित संस्था)
(पर्यावरण एवं वन मंत्रालय – भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था)
पो.ऑ. न्यू फॉरेस्ट, देहरादून – 248 006
Indian Council of Forestry Research & Education
(An ISO 9001:2000 Certified Organisation)
(An autonomous body of Ministry of Environment and Forests, Government of India)
P.O: New Forest, Dehra Dun – 248 006

प्राक्कथन

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् भारत का एक प्रमुख वानिकी अनुसंधान संगठन है जो देश के वानिकी स्रोतों के सतत् प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के निमित्त अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करता है साथ ही विभिन्न पणधारियों जैसे राज्य वन विभागों, उद्योगों, किसानों और जन सामान्य को सम्बंधित ज्ञान और सूचना उपलब्ध कराता है। वानिकी शिक्षा को स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न राज्य कृषि/केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को ढांचागत एवं अन्य शिक्षण सुविधाओं इत्यादि के विकास के लिए परिषद् अनुदान देती है। अपनी गतिविधियों की सूचनाओं की भागीदारी करने के उददेश्य से, जो कि इसके अवदान को उन्नत करता है, परिषद् प्रत्येक वर्ष वार्षिक प्रतिवेदन का प्रकाशन करती है।

संयुक्त राष्ट्र ने जैवविविधता के मुद्दे पर जागृति एवं समझ बढ़ाने के लिये 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधिता दिवस घोषित किया है। परिषद् एवं उसके संस्थानों ने 22 मई 2008 को जैवविविधता के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यालयों के बच्चों, जन सामान्य, और संस्थानों के अधिकारियों, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के मध्य जैवविविधता के प्रति जागृति और समझ उत्पन्न करने वाले विभिन्न प्रभावशाली कार्यक्रमों का आयोजन किया।

भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने परिषद् को विनरॉक इंटरनेशनल इंडिया के UNDP-GEF द्वारा ''भारत की वन मृदा में मृदा कार्बन स्टॉक का आकलन और गत्यामकता'' नामक वित्तपोषित परियोजना वर्ष 1995 से 2007 तक की अवधि के लिए प्रदान की। यह परियोजना संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा प्रसभा (UNFCCC) के अंतर्गत भारत के द्वितीय राष्ट्रीय संचार (SNC) का अंश है।

मेरे नेतृत्व में परिषद् के प्रतिनिधिमण्डल ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा प्रसभा (UNFCCC) की 28वीं वैज्ञानिक एवं तकनीकी सलाह निकाय/क्रियान्वयन आनुषंगिक निकाय (SBSTA/SBI) की बैठक में बॉन जर्मनी में 2 से 13 जून 2008 तक और संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा प्रसभा (UNFCCC) के लिए 14वीं पार्टियों के 14वें सम्मेलन में एवं पार्टियों की चौथी बैठक में क्योटो प्रौटोकोल (Kyoto Protocol) के अंतर्गत 1 से 12 दिसम्बर 2008 तक पोजनान, पोलैण्ड में भाग लिया जहां पर प्रतिनिधिमण्डल ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी सलाह निकाय (SBSTA) कार्यसूची मद 5 (Agenda item 5), ''विकासशील देशों में निर्वनीकरण से होने वाले उत्सर्जन को कम करने (REDD) पर कार्रवाई को प्रेरित करने के उपागमों'' और AWG-KP की कार्यसूची मद 3(b), में भूमि उपयोग, भूमि उपयोग परिवर्तन एवं वानिकी (LULUCF) पर वार्ता में पूर्णतः सक्रिय रूप से भागीदारी की।

परिषद् ने वर्ष 2008-09 के अंतर्गत 14 राज्य कृषि/सम/केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर वानिकी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए रूपये 502.71 लाख अनुदान के रूप में प्रदान किए। परिषद् ने पूर्व में जारी मार्गदर्शिका के आधार पर विश्वविद्यालयों के वानिकी पाठ्यक्रम के प्रत्यायन (Accreditation) की प्रक्रिया को भी आरंभ कर दिया है।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् की अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार गतिविधियों पर गहन जानकारी प्रदान करने वाले ''वार्षिक प्रतिवेदन 2008-09'' को प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है।

जे० किशवान
(जगदीश किशवान)
15.08.2009

दिनांकः 15 अगस्त 2009

दूरभाष/Phones : 0135 - 2759382 (O), 2754748 (R)
2224855 (O)
2224509 (R)

ई.मेल/E-mail : jkishwan@nic.in
jkishwan@icfre.org
फैक्स/Fax : 0135-2755353

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् की संगठनात्मक संरचना

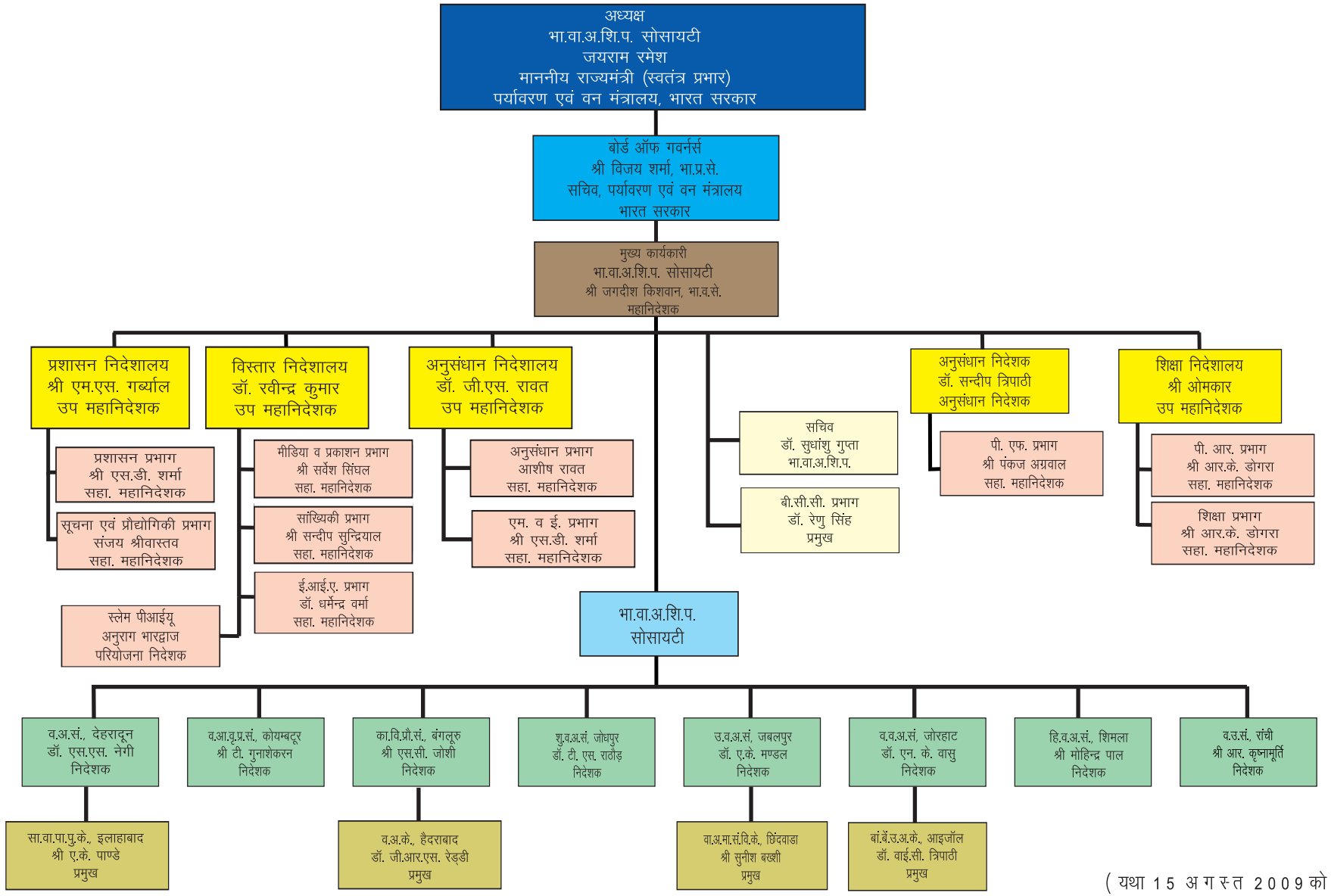

(यथा 15 अगस्त 2009 को)